जकर्याह

यहोवा अपने लोगों की वापसी चाहता है

1 बेरेक्याह के पुत्र जकर्याह ने यहोवा का सन्देश पाया।
फारस में दारा के राज्यकाल के दूसरे वर्ष के
आठवें महीने में यह हुआ। जकर्याह बेरेक्याह का पुत्र
था। बेरेक्याह इद्दो नबी का पुत्र था। सन्देश यह है:

2यहोवा तुम्हारे पूर्वजों पर बहुत क्रोधित हुआ है।
3अत: तुम्हें लोगों से यह सब कहना चाहिये। यहोवा
कहता हैं, "मेरे पास वापस आओ तो मैं तुम्हारे पास
वापस लौटूंगा।" यह सब सर्वशक्तिमान यहोवा ने कहा।

4यहोवा ने कहा, "अपने पूर्वजों के समान न बनो।
बीते समय में, नबी ने उनसे बातें कीं। उन्होंने कहा,
'सर्वशक्तिमान यहोवा चाहता है कि तुम अपने बुरे
रहन-सहन को छोड़ दो। बुरे काम बन्द कर दो!'
किन्तु तुम्हारे पूर्वजों ने मेरी एक न सुनी।" यहोवा ने
ये बातें कही।

5परमेश्वर ने कहा, "तुम्हारे पूर्वज जा चुके और वे
नबी सदैव जीवित न रहे। 6नबी मेरे सेवक थे। मैंने उनका
उपयोग तुम्हारे पूर्वजों को अपने व्यवस्था और अपनी
शिक्षा देने के लिये किया और तुम्हारे पूर्वजों ने अन्त में
शिक्षा ग्रहण की। उन्होंने कहा, 'सर्वशक्तिमान यहोवा ने
वह किया जिसे करने को उसने कहा था। उसने हमारे
बुरे रहन-सहन और सभी बुरे किये गए कामों के लिये
दण्ड दिया।' इस प्रकार वे परमेश्वर के पास वापस लौटे।"

घोड़ों का दर्शन

7जकर्याह ने फारस में दारा के राज्यकाल के दूसरे
वर्ष के ग्यारहवें महीने के चौबीसवें दिन, (अर्थात् शबात)
यहोवा का दूसरा सन्देश पाया। जकर्याह बेरेक्याह का पुत्र
था और बेरेक्याह इद्दो नबी का पुत्र था। सन्देश यह है:

8रात को, मैंने एक व्यक्ति को लाल घोड़े पर बैठे
देखा। वह घाटी में कुछ मालती की झाड़ियों के बीच
खड़ा था। उसके पीछे लाल, भूरे और श्वेत रंग के
घोड़े थे। 9मैंने पूछा, "महोदय, ये घोड़े किसलिये हैं?"

तब मुझसे बात करते हुए, स्वर्गदूत ने कहा, "मैं
तुम्हें दिखाऊँगा कि ये घोड़े किसलिये हैं।"

10तब मालती की झाड़ियों के बीच स्थित उस व्यक्ति
ने कहा, "यहोवा ने इन घोड़ों को पृथ्वी पर इधर-उधर
घूमने के लिये भेजे हैं।"

11तब घोड़ों ने मालती की झाड़ियों में स्थित यहोवा
के दूत से बातें कीं। उन्होंने कहा, "हम लोग पृथ्वी पर
इधर-उधर घूम चुके है, और सब कुछ शान्त और
व्यवस्थित हैं।"

12तब यहोवा के दूत ने कहा, "यहोवा, आप
यरूशलेम और यहूदा के नगर को कब तक आराम
दिलायेंगे? अब तो आप इन नगरों पर सत्तर वर्ष तक
अपना क्रोध प्रकट कर चुके हैं।"

13तब यहोवा ने उस दूत को उत्तर दिया जो मुझसे
बाते कर रहा था। यहोवा ने अच्छे शान्तिदायक शब्द
कहे। 14तब यहोवा के दूत ने मुझे लोगों से यह सब
कहने को कहा:

सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है: "मैं यरूशलेम और
सिय्योन से विशेष प्रेम रखता हूँ 15और मैं उन राष्ट्रों पर
बहुत क्रोधित हूँ जो अपने को इतना सुरक्षित अनुभव
करते हैं। मैं कुछ क्रोधित हो गया था और मैंने उन
राष्ट्रों का उपयोग अपने लोगों को दण्ड देने के लिये
किया। किन्तु उन राष्ट्रों ने बहुत अधिक विनाश किया।"

16अत: यहोवा कहता है, "मैं यरूशलेम लौटूँगा और
उसे आराम दूँगा।" सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है,
"यरूशलेम का निर्माण पुन: होगा। और वहां मेरा
मंदिर बनेगा।"

17स्वर्गदूत ने कहा, "लोगों से यह भी कहो:
"सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, 'मेरे नगर फिर

सम्पन्न होंगे, मैं सिय्योन को आराम दूँगा। मैं यरूशलेम को अपना विशेष नगर चुनूँगा।'"

सींगों का दर्शन

18तब मैंने ऊपर नजर उठाई और चार सींगों को देखा। 19तब मैंने उस दूत से जो मुझसे बातें कर रहा था, पूछा, "इन सींगों का अर्थ क्या हैं?"

उसने कहा, "ये वे सींगे है, जिन्होंने इस्राएल, यहूदा और यरूशलेम के लोगों को विदेशों में जाने को विवश किया।"

20तब यहोवा ने मुझे चार कारीगर दिखाये। 21मैंने उनसे पूछा, "ये चार कारीगर क्या करने आ रहे हैं?"

उसने कहा, "ये लोग उन सींगों को नष्ट करने आए हैं। उन सींगों ने यहूदा के लोगों को विदेशों में जाने को विवश किया। उन सींगों ने किसी पर दया नहीं दिखाई। ये सींगे उन राष्ट्रों का प्रतीक है जिन्होंने यहूदा के लोगों पर आक्रमण किया था और उन्हें विदेशों में जाने को विवश किया था।"

यरूशलेम को मापने का दर्शन

2 तब मैंने ऊपर निगाह उठाई और मैंने एक व्यक्ति को नापने की रस्सी को लिये हुए देखा। 2मैंने उससे पूछा, "तुम कहाँ जा रहे हो?"

उसने मुझे उत्तर दिया, "मैं यरूशलेम को नापने जा रहा हूँ, कि वह कितना लम्बा तथा कितना चौड़ा हैं।"

3तब वह दूत, जो मुझसे बाते कर रहा था, चला गया और उससे बातें करने को दूसरा दूत बाहर गया। 4उसने उससे कहा, "दौड़कर जाओ और उस युवक से कहो कि यरूशलेम इतना विशाल है कि उसे नापा नहीं जा सकता। उससे यह कहो, 'यरूशलेम बिना चहारदीवारी का नगर होगा। क्यों? क्योंकि वहाँ असंख्य लोग और जानवर रहेंगे। 5यहोवा कहता है, 'मैं उसकी चारों ओर उसकी रक्षा के लिये आग की दीवार बनूँगा और उस नगर को गौरव देने के लिये वहीं रहूँगा।'"

परमेश्वर अपने लोगों को घर बुलाता है

यहोवा कहता है, 6"जल्दी करो! उत्तर देश से भाग निकलो! हाँ, यह सत्य है कि मैंने तुम्हारे लोगों को चारों ओर बिखेरा। 7सिय्योन के लोगों, तुम बाबुल में बन्दी हो। किन्तु अब भाग निकलो! उस नगर से भाग जाओ!" सर्वशक्तिमान यहोवा ने मेरे बारे में यह कहा, "उसने मुझे भेजा है, जिन्होंने उन राष्ट्रों में युद्ध में तुमसे चीज़ें छीनीं! 8उसने तुझे प्रतिष्ठा देने को मुझे भेजा है।" किन्तु उसके बाद, यहोवा मुझे उनके विरुद्ध भेजेगा। क्यों? क्योंकि यदि वे तुम्हें चोट पहुँचायेंगे तो वह यहोवा की आँख की पुतली को चोट पहुँचाना होगा। उन राष्ट्रों ने अपना सम्मान पाया 9और मैं उन लोगों के विरुद्ध अपना हाथ उठाऊँगा और उनके दास उनकी सम्पत्ति लेंगे। तब तुम समझोगे कि सर्वशक्तिमान यहोवा ने मुझे भेजा है। 10यहोवा कहता है, "सिय्योन, प्रसन्न हो! क्यों? क्योंकि मैं आ रहा हूँ और मैं तुम्हारे नगर में रहूँगा। 11उस समय अनेक राष्ट्रों के लोग मेरे पास आएंगे और वे मेरे लोग हो जायेंगे। मैं तुम्हारे नगर में रहूँगा और तुम जानोगे कि सर्वशक्तिमान यहोवा ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।" 12यहोवा यरूशलेम को फिर से अपना विशेष नगर चुनेगा और यहूदा, पवित्र–भूमि का उनका हिस्सा होगा। 13सभी व्यक्ति, शान्त हो जाओ! यहोवा अपने पवित्र घर से बाहर आ रहा है।

महायाजक के बारे में दर्शन

3 तब दूत ने मुझे महायाजक यहोशू को दिखाया। यहोशू यहोवा के दूत के सामने खड़ा था और शैतान यहोशू की दायीं ओर खड़ा था। शैतान वहाँ यहोशू द्वारा किये गए बुरे कामों के लिये दोष देने को था। 2तब यहोवा के दूत ने कहा, "शैतान, यहोवा तुम्हें फटकारे। यहोवा तुम्हें अपराधी घोषित करे! यहोवा ने यरूशलेम को अपना विशेष नगर चुना हैं। उन्होंने उस नगर को बचाया–जैसे जलती लकड़ी को आग से बाहर निकाल दिया जाये।"

3यहोशू दूत के सामने खड़ा था और यहोशू गन्दे वस्त्र पहने था। 4तब अपने समीप खड़े अन्य दूतों से दूत ने कहा, "यहोशू के गन्दे वस्त्रों को उतार लो।" तब दूत ने यहोशू से बाते कीं। उसने कहा, "मैंने तुम्हारे अपराधों को हर लिया है और मैं तुम्हें नये वस्त्र बदलने को देता हूँ।"

5तब मैंने कहा, "उसके सिर पर एक नयी पगड़ी बाँधो।" अत: उन्होंने एक नयी पगड़ी उसे बांधी। यहोवा के दूत के खड़े रहते ही उन्होंने उसे नये वस्त्र पहनाये।

6तब यहोवा के दूत ने यहोशू से यह कहा:

7सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा, "वैसे ही रहो जैसा मैं कहूँ, और जो मैं कहूँ वह सब करो और तुम मेरे मंदिर के उच्चाधिकारी होगे। तुम इसके आँगन की देखभाल करोगे और मैं अनुमति दूँगा कि तुम यहाँ खड़े स्वर्गदूतों के बीच स्वतन्त्रता से घूमो। 8अत: यहोशू, तुम्हें और तुम्हारे साथ के लोगों को मेरी बातें सुननी होंगी। तुम महायाजक हो, और तुम्हारे साथ के लोग दूसरों के समक्ष एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं और मैं सच ही, अपने विशेष सेवक को लाऊँगा–उसे शाख कहते हैं। 9देखो, मैं एक विशेष पत्थर यहोशू के सामने रखता हूँ। उस पत्थर के सात पहलू है और मैं उस पत्थर पर विशेष सन्देश खोदूँगा। वह इस तथ्य को प्रकट करेगा कि मैं एक दिन में इस देश के सभी पापों को दूर कर दूँगा।"

10सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "उस समय, लोग बैठेंगे और अपने मित्रों एवं पड़ोसियों को अपने उद्यानों में आमन्त्रित करेंगे। हर व्यक्ति अपने अंजीर के पेड़ तथा अंगूर की बेल के नीचे अमन–चैन से रहेगा।"

दीपाधार और दो जैतून के पेड़

4 तब जो दूत मुझसे बातें कर रहा था, मेरे पास आया और उसने मुझे जगाया। मैं नींद से जागे व्यक्ति की तरह लग रहा था। 2तब दूत ने पूछा, "तुम क्या देखते हो?"

मैंने कहा, "मैं एक ठोस सोने का दीपाधार देखता हूँ। उस दीपाधार पर सात दीप हैं और दीपाधार के ऊपरी सिरे पर एक प्याला है। प्याले में से सात नल निकल रहे हैं। हर एक नल हर एक दीप तक जा रहा हैं। वे नल तेल को हर एक दीप के प्याले तक लाते है" 3और दो जैतून के पेड़, एक दायीं और दूसरा बायीं ओर प्याले के सहारे हैं।" 4और तब मैंने, उस दूत से जो मुझसे बातें कर रहा था, पूछा, "महोदय, इन सबका अर्थ क्या है?"

5मुझसे बातें करने वाले दूत ने कहा, "क्या तुम नहीं जानते कि ये सब चीजें क्या हैं?"

मैंने कहा, "नहीं महोदय।"

6तब उसने मुझसे कहा, "यह सन्देश यहोवा की ओर से जरुब्बाबेल को है: 'तुम्हारी शक्ति और प्रभुता से सहायता नहीं मिलेगी। वरन, तुम्हें सहायता मेरी आत्मा से मिलेगी।' सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा! 7वह ऊँचा पर्वत जरूब्बाबेल के लिये समतल भूमि–सा होगा। वह मंदिर को बनायेगा और जब अन्तिम पत्थर उस स्थान पर रखा जाएगा तब लोग चिल्ला उठेंगे–'सुन्दर! अति सुन्दर।'"

8मुझे यहोवा से मिले सन्देश में भी कहा गया, 9"जरुब्बाबेल मेरे मंदिर की नींव रखेगा और जरुब्बाबेल मंदिर को बनाना पूरा करेगा। लोगों तब तुम समझोगे कि सर्वशक्तिमान यहोवा ने मुझे तुम लोगों के पास भेजा है। 10लोग उस सामान्य आरम्भ से लज्जित नहीं होंगे और वे सचमुच तब प्रसन्न होंगे, जब वे जरुब्बाबेल को पूरी की गई भवन को साहुल से नापते और जांच करते देखेंगे। अत: पत्थर के सात पहलू जिन्हें तुमने देखा वे यहोवा की आँखों के प्रतीक हैं जो हर दिशा में देख रही हैं। वे पृथ्वी पर सब कुछ देखती हैं।"

11तब मैंने (जकर्याह) उससे कहा, "मैंने एक जैतून का पेड़ दीपाधार की दायीं ओर और एक बायीं ओर देखा। उन दोनों जैतून के पेड़ों का तात्पर्य क्या है?" 12मैंने उससे यह भी कहा, "मैंने जैतून की दो शाखायें सोने के रंग के तेल को ले जाते, सोने के नलों के सहारे देखीं। इन चीज़ों का तात्पर्य क्या हैं?"

13तब दूत ने मुझसे कहा, "क्या तुम नहीं जानते कि इन चीज़ों का तात्पर्य क्या है?"

मैंने कहा, "नहीं महोदय।"

14अत: उसने कहा, "वे उन दो व्यक्तियों के प्रतीक है, जो सारे संसार में यहोवा की सेवा के लिये चुने गए थे।"

उड़ता हुआ गोल लिपटा पत्रक

5 मैंने फिर निगाह ऊँची की और मैंने एक उड़ता हुआ गोल लिपटा पत्रक देखा। 2दूत ने मुझसे पूछा, "तुम क्या देखते हो?"

मैंने कहा, "मैं एक उड़ता हुआ गोल लिपटा पत्रक देखता हूँ। यह गोल लिपटा पत्रक तीस फुट लम्बा और पन्द्रह फूट चौड़ा है।"

3तब दूत ने मुझसे कहा, "उस गोल लिपटे पत्रक पर एक शाप लिखा है। उस गोल लिपटे पत्रक की एक ओर चोरों को शाप लिखा हैं और दूसरी ओर उन लोगों को शाप है, जो प्रतिज्ञा करके झूठ बोलते हैं। 4सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "मैं इस गोल लिपटे पत्रक को चोरों के घर और उन लोगों के घर भेजूँगा, जो गलत प्रतिज्ञा करते समय मेरे नाम का उपयोग करते हैं। वह गोल लिपटा

पत्रक वहीं रहेगा और यह उन घरों को नष्ट करेगा। यहाँ तक कि पत्थर और लकड़ी के खम्भे भी नष्ट हो जाएंगे।"

स्त्री और टोकरी

5तब मेरे साथ बात करने वाला दूत बाहर गया। उसने मुझसे कहा, "देखो! तुम क्या होता हुआ देख रहे हो?"

6मैंने कहा, "मैं नहीं जानता, कि यह क्या है?"

उसने कहा, "वह मापक टोकरी है।" उसने यह भी कहा, "यह टोकरी इस देश के लोगों के पापों को नापने के लिये है।"

7टोकरी का ढक्कन सीसे का था। जब वह खोला गया, तब उसके भीतर बैठी स्त्री मिली। 8दूत ने कहा, "स्त्री बुराई का प्रतीक है।" तब दूत ने स्त्री को टोकरी में धक्का दे डाला और सीसे के ढक्कन को उसके मुख में रख दिया। इससे यह प्रकट होता था, कि पाप बहुत भारी (बुरा) है। 9तब मैंने नजर उठाई और दो स्त्रियों को सारस के समान पंख सहित देखा। वे उड़ी और अपने पंखों में हवा के साथ उन्होंने टोकरी को उठा लिया। वे टोकरी को लिये हवा में उड़ती रहीं। 10तब मैंने बातें करने वाले उस दूत से पूछा, "वे टोकरी को कहाँ ले जा रही हैं?"

11दूत ने मुझसे कहा, "वे शिनार में इसके लिये एक मंदिर बनाने जा रही हैं। जब वे मंदिर बना लेंगी तो वे उस टोकरी को वहाँ रखेंगी।"

चार रथ

6 तब मैं चारों ओर घूम गया। मैंने निगाह उठाई और मैंने चार रथों को चार कांसे के पर्वतों के बीच से जाते देखा। 2प्रथम रथ को लाल घोड़े खींच रहे थे। दूसरे रथ को काले घोड़े खींच रहे थे। 3तीसरे रथ को श्वेत घोड़े खींच रहे थे और चौथे रथ को लाल धब्बे वाले घोड़े खींच रहे थे। 4तब मैंने बात करने वाले उस दूत से पूछा, "महोदय, इन चीज़ों का तात्पर्य क्या है?"

5दूत ने कहा, "ये चारों दिशाओं की हवाओं के प्रतीक हैं। वे अभी सारे संसार के स्वामी के यहाँ से आये हैं। 6काले घोड़े उत्तर को जाएंगे। लाल घोड़े पूर्व को जाएंगे। श्वेत घोड़े पश्चिम को जाएंगे और लाल धब्बेदार घोड़े दक्षिण को जाएंगे।"

7लाल धब्बेदार घोड़े अपने हिस्से की पृथ्वी को देखते हुए जाने को उत्सुक थे, अत: दूत ने उनसे कहा, "जाओ, पृथ्वी का चक्कर लगाओ।" अत:, वे अपने हिस्से की पृथ्वी पर टहलते हुए गए।

8तब यहोवा ने मुझे जोर से पुकारा। उन्होंने कहा, "देखो, वे घोड़े, जो उत्तर को जा रहे थे, अपना काम बाबुल में पूरा कर चुके। उन्होंने मेरी आत्मा को शान्त कर दिया–अब मैं क्रोधित नहीं हूँ।"

याजक यहोशू एक मुकुट पाता है

9तब मैंने यहोवा का एक अन्य सन्देश प्राप्त किया। उसने कहा, 10"हेल्दै, तोबिय्याह और यदायाह बाबुल के बन्दियों में से आ गए हैं। उन लोगों से चाँदी और सोना लो और तब सपन्याह के पुत्र योशियाह के घर जाओ। 11उस सोने–चांदी का उपयोग एक मुकुट बनाने में करो। उस मुकुट को यहोशू के सिर पर रखो। (यहोशू महायाजक था। यहोशू यहोसादाक का पुत्र था।) तब यहोशू से ये बातें कहो:

12सर्वशक्तिमान यहोवा यह सब कहता है,

"शाख नामक एक व्यक्ति है। वह शक्तिशाली हो जाएगा। 13वह यहोवा का मंदिर बनाएगा, और वह सम्मान पाएगा। वह अपने राजसिंहासन पर बैठेगा, और शासक होगा। उसके सिंहासन की बगल में एक याजक खड़ा होगा और ये दोनों व्यक्ति शान्तिपूर्वक एक साथ काम करेंगे।

14"वे मुकुट को मंदिर में रखेंगे जिससे लोगों को याद रखने में सहायता मिलेगी। वह मुकुट हेल्दै, तोबिय्याह, यदायाह और सपन्याह के पुत्र योशियाह को सम्मान प्रदान करेगा। 15दूर के निवासी लोग आएंगे और मंदिर को बनाएंगे। लोगों, तब तुम समझोगे कि यहोवा ने मुझे तुम लोगों के पास है। यह सब कुछ घटित होगा, यदि तुम वह करोगे, जिसे करने को यहोवा कहता है।"

यहोवा दया और करुणा चाहता है

7 फारस में दारा के राज्यकाल के चौथे वर्ष, जकर्याह को यहोवा का एक सन्देश मिला। यह नौवे महीने का चौथा दिन था। (अर्थात् किस्लव।) 2बेतेल के लोगों ने शरेसेर, रेगेम्मेलेक और अपने साथियों को यहोवा से एक प्रश्न पूछने को भेजा। 3वे सर्वशक्तिमान यहोवा के मंदिर में नबियों और याजकों के पास गए। उन लोगों ने उनसे यह प्रश्न पूछा: "हम लोगों ने कई वर्ष तक मंदिर के ध्वस्त होने का शोक मनाया है। हर वर्ष के पाँचवें

महीने में, रोने और उपवास रखने का हम लोगों का विशेष समय रहा हैं। क्या हमें इसे करते रहना चाहिये?"

4मैंने सर्वशक्तिमान यहोवा का यह सन्देश पाया है:
5"याजकों और इस देश के अन्य लोगों से यह कहो: जो उपवास और शोक पिछले सत्तर वर्षों से वर्ष के पाँचवें और सातवें महीने में तुम करते आ रहे हो, क्या वह उपवास, सच ही, मेरे लिये था? नहीं! 6और जब तुमने खाया और दाखमधु पिया तब क्या वह मेरे लिये था? नहीं! यह तुम्हारी अपनी भलाई के लिये ही था। 7परमेश्वर ने प्रथम नबियों का उपयोग बहुत पहले यही बात कहने के लिये किया था। उन्होंने यह बात तब कही थी, जब यरूशलेम मनुष्यों से भरा–पूरा सम्पत्तिशाली था। परमेश्वर ने ये बाते तब कही थीं, जब यरूशलेम के चारों ओर के नगरों में तथा नेगव एवं पश्चिमी पहाड़ियों की तराईयों में लोग शान्तिपूर्वक रहते थे।"

8जकर्याह को यहोवा का यह सन्देश है:

9सर्वशक्तिमान यहोवा ने ये बातें कहीं, "तुम्हें जो सत्य और उचित हो, करना चाहिये। तुममें हर एक को एक दूसरे के प्रति दयालु और करूणापूर्ण होना चाहिये। 10विधवाओं, अनाथों, अजनबियों या दीन लोगों को चोट न पहुँचाओ। एक दूसरे का बुरा करने का विचार भी मन में न आने दो!"

11किन्तु उन लोगों ने अनसुनी की। उन्होंने उसे करने से इन्कार किया जिसे वे चाहते थे। उन्होंने अपने कान बन्द कर लिये, जिससे वे, परमेश्वर जो कहे, उसे न सुन सकें। 12वे बड़े हठी थे। उन्होंने परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करना अस्वीकार कर दिया। अपनी आत्मशक्ति से सर्वशक्तिमान यहोवा ने नबियों द्वारा अपने लोगों को सन्देश भेजे। किन्तु लोगों ने उसे नहीं सुना, अत: सर्वशक्तिमान यहोवा बहुत क्रोधित हुआ। 13अत: सर्वशक्तिमान यहोवा ने कहा, "मैंने उन्हें पुकारा और उन्होंने उत्तर नहीं दिया। इसलिये अब यदि वे मुझे पुकारेंगे, तो मैं उत्तर नहीं दूँगा। मैं अन्य राष्ट्रों को तूफान की तरह उनके विरुद्ध लाऊँगा। वे उन्हें नहीं जानते, किन्तु जब वे देश से गुजरेंगे, तो वह उजड़ जाएगा। यह सुहावना देश नष्ट हो जाएगा।"

यहोवा यरूशलेम को आशीर्वाद देने की प्रतिज्ञा करता है

8 यह सन्देश सर्वशक्तिमान यहोवा का है
2सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "मैं सच ही, सिय्योन से प्रेम करता हूँ। मैं उससे इतना प्रेम करता हूँ कि, जब वह मेरी विश्वासपात्र न रही, तब मैं उस पर क्रोधित हो गया।" 3यहोवा कहता है, "मैं सिय्योन के पास वापस आ गया हूँ। मैं यरूशलेम में रहने लगा हूँ। यरूशलेम विश्वास नगर कहलाएगा। मेरा पर्वत, पवित्र पर्वत कहा जाएगा।"

4सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "यरूशलेम में फिर बूढ़े स्त्री–पुरुष सामाजिक स्थलों पर दिखाई पड़ेंगे। लोग इतनी लम्बी आयु तक जीवित रहेंगे कि उन्हें सहारे की छड़ी की आवश्यकता होगी 5और नगर सड़कों पर खेलने वाले बच्चों से भरा होगा। 6बचे हुये लोग इसे आश्चर्यजनक मानेंगे और मैं भी इसे आश्चर्यजनक मानूँगा!"

7सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "देखो, मैं पूर्व और पश्चिम के देशों से अपने लोगों को बचा ले चल रहा हूँ। 8मैं उन्हें यहाँ वापस लाऊँगा और वे यरूशलेम में रहेंगे। वे मेरे लोग होंगे और मैं उनका अच्छा और विश्वसनीय परमेश्वर होऊँगा!"

9सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "शक्तिशाली बनो! लोगों, तुम आज वही सन्देश सुन रहे हो, जिसे नबियों ने तब दिया था जब सर्वशक्तिमान यहोवा ने अपने मंदिर को फिर से बनाने के लिये नींव डाली। 10उस समय के पहले लोगों के पास श्रमिकों को मजदूरी पर रखने या जानवर को किराये पर लेने के लिये धन नहीं था और मनुष्यों का आवागमन सुरक्षित नहीं था। सारी आपत्तियों से किसी प्रकार की मुक्ति नहीं थी। मैंने हर एक को अपने पड़ोसी के विरुद्ध कर दिया था। 11किन्तु अब वैसा नहीं है। बचे हुओं के लिये अब वैसा नहीं होगा। सर्वशक्तिमान यहोवा ने ये बातें कहीं।

12"ये लोग शान्ति के साथ फसल लगायेंगे। उनके अंगूर के बाग अंगूर देंगे। भूमि अच्छी फसल देगी तथा आकाश वर्षा देगा। मैं ये सभी चीजें अपने इन लोगों को दूँगा। 13लोग अपने शापों में यरूशलेम और यहूदा का नाम लेने लगे हैं। किन्तु मैं इस्राएल और यहूदा को बचाऊँगा और उनके नाम वरदान के रूप में प्रमाणित होने लगेंगे। अत: डरो नहीं। शक्तिशाली बनो!"

14सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "तुम्हारे पूर्वजों ने मुझे क्रोधित किया था। अत: मैंने उन्हें नष्ट करने का निर्णय लिया। मैंने अपने इरादे को न बदलने का निश्चय किया।" सर्वशक्तिमान यहोवा ने यह सब कहा। 15"किन्तु अब मैंने अपना इरादा बदल दिया है और उसी तरह मैंने

यरूशलेम और यहूदा के लोगों के प्रति अच्छा बने रहने का निश्चय किया है। अत: डरो नहीं! 16किन्तु तुम्हें यह करना चाहिए: अपने पड़ोसियों से सत्य बोलो। जब तुम अपने नगरों में निर्णय लो, तो वह करो जो सत्य, ठीक और शान्ति लाने वाला हो। 17अपने पड़ोसियों को चोट पहुँचाने के लिये गुप्त योजनायें न बनाओ! झूठी प्रतिज्ञायें न करो! ऐसा करने में तुम्हें आनन्द नहीं लेना चाहिये। क्यों? क्योंकि मैं उन बातों से घृणा करता हूँ।" यहोवा ने यह सब कहा।

18मैंने सर्वशक्तिमान यहोवा का यह सन्देश पाया। 19सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "तुम्हारे शोक मनाने और उपवास के विशेष दिन चौथे महीने, पाँचवे महीने, सातवे महीने और दसवें महीने में हैं। वे शोक के दिन प्रसन्नता के दिन में बदल जाने चाहिये। वे अच्छे और प्रसन्नता के पवित्र दिन होंगे और तुम्हें सत्य और शान्ति से प्रेम करना चाहिए!"

20सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "भविष्य में, अनेक नगरों से लोग यरूशलेम आएंगे।

21एक नगर के लोग दूसरे नगर के मिलने वाले लोगों से कहेंगे, "हम सर्वशक्तिमान यहोवा की उपासना करने जा रहे हैं, 'हमारे साथ आओ!' 22अनेक लोग और अनेक शक्तिशाली राष्ट्र सर्वशक्तिमान यहोवा की खोज में यरूशलेम आएंगे। वे वहाँ उनकी उपासना करने आएंगे। 23सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "उस समय, विभिन्न राष्ट्रों से विभिन्न भाषाओं को बोलने वाले दस व्यक्ति एक यहूदी के चादर का पल्ला पकड़ेंगे और कहेंगे, "हमने सुना है कि परमेश्वर तुम्हारे साथ है। क्या हम उनकी उपासना करने तुम्हारे साथ आ सकते हैं?'"

अन्य राष्ट्रों के विरुद्ध न्याय

9 एक दु:खपूर्ण सन्देश। यह यहोवा का सन्देश हद्राक के देश और उसकी राजधानी दमिश्क के बारे में है: "इस्राएल के परिवार समूह के लोग ही एक मात्र वे लोग नहीं है जो परमेश्वर के बारे में जानते हैं। हर एक व्यक्ति सहायता के लिये उनकी ओर देख सकता है। 2हद्राक के देश की सीमा हमात है और सोर तथा सीदोन भी यही करते हैं। (वे लोग बहुत बुद्धिमान हैं।) 3सोर एक क़िले की तरह बना है। वहाँ के लोगों ने चाँदी इतनी इकट्ठा की है, कि वह धूलि के समान सुलभ है और सोना इतना सामान्य है, जितनी मिट्टी। 4किन्तु हमारे स्वामी यहोवा, यह सब ले लेगा। वे उसकी शक्तिशाली नौसेना को नष्ट करेगा और वह नगर आग से नष्ट हो जाएगा!

5"अश्कलोन में रहने वाले लोग इन घटनाओं को देखेंगे और वे डरेंगे। अज्जा के लोग भय से काँप उठेंगे और एक्रोन के लोग सारी आशाएँ छोड़ देंगे, जब वे उन घटनाओं को घटित होते देखेंगे। अज्जा में कोई राजा बचा नहीं रहेगा। कोई भी व्यक्ति अब अश्कलोन में नहीं रहेगा। 6अश्दाद में लोग यह भी नहीं जानेंगे कि उनके अपने पिता कौन हैं? मैं गर्वीले पलिश्ती लोगों को पूरी तरह नष्ट कर दूँगा। 7वे रक्त सहित माँस को या कोई भी वर्जित भोजन नहीं खायेंगे। कोई भी बचा पलिश्ती हमारे राष्ट्र का अंग बनेगा। वे यहूदा में एक नया परिवार समूह होंगे। एक्रोन के लोग हमारे लोगों के एक भाग होंगे जैसा कि यबूसी लोग बन गए। मैं अपने देश की रक्षा करूँगा। 8मैं शत्रु की सेनाओं को यहाँ से होकर नहीं निकलने दूँगा। मैं उन्हें अपने लोगों को और अधिक चोट नहीं पहुँचाने दूँगा। मैंने अपनी आँखों से देखा कि अतीत में मेरे लोगों ने कितना कष्ट उठाया।"

भविष्य का राजा

9सिय्योन, आनन्दित हो! यरूशलेम के लोगों आनन्द– घोष करो! देखों, तुम्हारा राजा तुम्हारे पास आ रहा है! वह विजय पाने वाला एक अच्छा राजा है। किन्तु वह विनम्र है। वह गधे पर सवार है, एक गधे के बच्चे पर सवार है।

10राजा कहता है, "मैंने एप्रैम में रथों को और यरूशलेम में घुड़सवारों को नष्ट किया। मैंने युद्ध में प्रयोग किये गये धनुषों को नष्ट किया।" अन्य राष्ट्रों ने शान्ति–संधि की बातें सुनीं। वह राजा सागर से सागर तक राज्य करेगा। वह नदी से लेकर पृथ्वी के दूरतम स्थानों पर राज्य करेगा।

यहोवा अपने लोगों की रक्षा करेगा

11यरूशलेम हमने अपनी वाचा को खून से मुहरबन्द किया। अत: मैंने तुम्हारे बन्दियों को स्वतन्त्र कर दिया, तुम्हारे लोग उस सूने बन्दीगृह में अब नहीं रह गये हैं।

12बन्दियों, अपने घर जाओ! अब तुम्हारे लिये कुछ आशा का अवसर है। अब मैं तुमसे कह रहा हूँ, मैं

तुम्हारे पास लौट रहा हूँ! 13यहूदा, मैं तुम्हारा उपयोग
एक धनुष–जैसा करूँगा। एप्रैम, मैं तुम्हारा उपयोग
बाणों जैसा करूँगा। इस्राएल, मैं तुम्हारा उपयोग यूनान
से लड़ने के लिए दृढ़ तलवार जैसा करूँगा।

14यहोवा उसके सामने प्रकट होगा और वह अपने
बाण बिजली की तरह चलायेगा। यहोवा, मेरे स्वामी
तुरही बजाएगा और सेना मरुभूमि के तूफान के समान
आगे बढ़ेगी।

15सर्वशक्तिमान यहोवा उनकी रक्षा करेगा। सैनिक
पत्थर और गुलेल का उपयोग शत्रु को पराजित करने में
करेंगे। वे अपने शत्रुओं का खून बहायेंगे, यह दाखमधु
जैसा बहेगा। यह वेदी के कोनों पर फेंके गए खून जैसा होगा!

16उस समय, उनके परमेश्वर यहोवा अपने लोगों को
वैसे ही बचाएगा, जैसे गड़ेरिया भेड़ों को बचाता है। वे उनके
लिये बहुत मूल्यवान होंगे। वे उनके हाथों में जगमगाते
रत्न–से होंगे। 17हर एक चीज अच्छी और सुन्दर होगी!

वहाँ अद्‌भुत फसल होगी, किन्तु वहाँ केवल अन्न
और दाखमधु नहीं होगी। वहाँ युवक–युवतियाँ होंगी!

यहोवा की प्रतिज्ञायें

10 बसन्त ऋतु में यहोवा से वर्षा के लिये प्रार्थना
करो। यहोवा बिजली भेजेगा और वर्षा होगी।
और परमेश्वर हर एक व्यक्ति के खेत में पौधे उगायेगा।

2ये जादूगर अपनी छोटी मूर्तियों और जादू का उपयोग
भविष्य की घटनाओं को जानने के लिए करते हैं, किन्तु
यह सब व्यर्थ है। वे लोग दर्शन करते है और अपने
स्वप्नों के बारे में कुछ कहते हैं, किन्तु यह सब व्यर्थ
झूठ के अलावा कुछ नहीं हैं। अत: लोग भेड़ों की तरह
इधर–उधर सहायता के लिये पुकारते हुए भटक रहे हैं।
किन्तु उनको रास्ता दिखाने वाला कोई गड़ेरिया नहीं।

3यहोवा कहता है, "मैं गड़ेरियों (प्रमुखों) पर बहुत
क्रोधित हूँ। मैंने उन प्रमुखों को अपनी भेड़ों (लोगों) की
देखभाल का उत्तरदायित्व सौंपा था।" यहूदा के लोग
परमेश्वर की रेवड़ है और सर्वशक्तिमान यहोवा, सचमुच,
अपनी रेवड़ की देखभाल करता है। वह उनकी ऐसी देख
भाल रखता है, जैसे कोई सैनिक अपने घोड़े की रखता है।

4"कोने का पत्थर, डेरे की खूँटी, युद्ध का धनुष
और आगे बढ़ते सैनिक सभी यहूदा से एक साथ आएंगे।
5वे अपने शत्रुओं को पराजित करेंगे, यह कीचड़ में
सड़कों पर आगे बढ़ते सैनिकों जैसा होंगे। वे युद्ध करेंगे,
और यहोवा उनके साथ है। अत: वे शत्रु के घुड़सवारों
को भी हरायेंगे। 6मैं यहूदा के परिवार को शक्तिशाली
बनाऊँगा। मैं यूसुफ के परिवार को युद्ध में विजयी
बनाऊँगा। मैं उन्हें स्वस्थ और सुरक्षित वापस लाऊँगा।
मैं उन्हें आराम दूँगा। यह ऐसा होगा, मानों मैंने उन्हें
कभी नहीं छोड़ा। मैं यहोवा, उनका परमेश्वर हूँ और
मैं उनकी सहायता करूँगा। 7एप्रैम के लोग शक्तिशाली
पुरुष होंगे और ऐसे प्रसन्न होंगे, जैसे वे सैनिक जिन्हें
पीने के लिये बहुत अधिक मिल गया हो। उनकी सन्तानें
आनन्द मनायेंगी और वे भी प्रसन्न रहेंगे। वे सभी एक
साथ यहोवा के साथ आनन्द का अवसर पाएंगे।

8"मैं उनको सीटी दे कर सभी को एक साथ बुलाऊँगा।
मैं, सच ही, उन्हें बचाऊँगा। ये लोग असंख्य हो जाएंगे।
9हाँ, मैं सभी राष्ट्रों में अपने लोगों को बिखेर रहा हूँ।
किन्तु उन देशों में वे मुझे याद करेंगे। वे और उनकी
सन्तानें बची रहेंगी। और वे वापस आएंगे। 10मैं उन्हें
मिस्र और अश्शूर से वापस लाऊँगा। मैं उन्हें गिलाद
क्षेत्र में लाऊँगा और क्योंकि वहाँ काफी जगह नहीं
होगी। अत: मैं उन्हें समीप के लबानोन में भी रहने
दूँगा।" 11(यह वैसा ही होगा, जैसा यह पहले तब था, जब
परमेश्वर उन्हें मिस्र से निकाल लाया था। उसने समुद्र
की तरंगों पर चोट की थी। समुद्र फट गया था और
लोग विपत्ति के समुद्र को पैदल पार कर गए थे। यहोवा
नदियों की धाराओं को सुखा देगा। वे अश्शूर के गर्व
और मिस्र की शक्ति को नष्ट कर देगा।) 12यहोवा अपने
लोगों को शक्तिशाली बनाएगा और वे उनके और उनके
नाम के लिये जीवित रहेंगे। यहोवा ने यह सब कहा।

परमेश्वर यहूदा के चारों ओर के राष्ट्रों को दण्ड देगा

11 लबानोन, अपने द्वार खोलो, क्योंकि आग भीतर
आएगी और वह तुम्हारे देवदारू के पेड़ों को
जला देगी।

2साइप्रस के पेड़ रोएंगे क्योंकि देवदारू के पेड़ गिर
गए। वे विशाल पेड़ उठा लिये गए। बाशान के ओक–वृक्षों,
उस वन के लिये रोओ, जो काट डाला गया।

3रोते गड़ेरियों की सुनो। उनके शक्तिशाली प्रमुख दूर
कर दिये गए। जवान सिंहों की दहाड़ को सुनो। यरदन
नदी के किनारे की उनकी घनी झाड़ियां ले ली गई।

4मेरा परमेश्वर यहोवा कहता है, "उन भेड़ों की
रक्षा करो, जिन्हें मारने के लिये पाला गया हैं। 5उनके
प्रमुख, स्वामी और व्यापारी के समान है। स्वामी अपनी
भेड़ों को मारता है और उन्हें दण्ड नहीं मिलता। व्यापारी
भेड़ों को बेचता है और कहता है, 'यहोवा की महिमा से
मैं सम्पन्न हूँ।'' गड़ेरिये अपनी भेड़ों के लिये दुःखी नहीं
होते 6और मैं इस देश में रहने वालों के लिये दुःखी नहीं
होता।'' यहोवा ने यह सब कहा, "देखो, मैं हर एक को
उसके पड़ोसी और राजा के हाथ सौंप दूँगा। मैं उन्हें
उनका देश नष्ट करने दूँगा, मैं उन्हें रोकूँगा नहीं!''

7अतः मैंने उन दीन भेड़ों की देखभाल की, जिन्हें
मारने के लिये पाला गया था। मुझे दो छड़ियाँ मिलीं।
मैंने एक छड़ी का नाम अनुग्रह रखा और दूसरी छड़ी
को एकता कहा और तब मैंने भेड़ों की देखभाल
आरम्भ की। 8मैंने सभी तीन गड़ेरियों को एक महीने
में नष्ट कर दिया। मैं भेड़ों पर क्रोधित हुआ और वे
मुझसे घृणा करने लगीं। 9तब मैंने कहा, "मैं तुम्हें छोड़ता
हूँ! मैं तुम्हारी देखभाल नहीं करूँगा! मैं उन्हें मर जाने
दूँगा, जो मर जाना चाहते हैं। मैं उन्हें नष्ट हो जाने दूँगा,
जो नष्ट किया जाना चाहते है। और जो बचेंगे वे एक
दूसरे को नष्ट करेंगे।'' 10तब मैंने अनुग्रह नामक छड़ी
ली और इसे तोड़ दी। मैंने यह इस बात को प्रकट
करने के लिये किया कि सभी राष्ट्रों के साथ परमेश्वर
की वाचा टूट गई। 11अतः उस दिन वाचा समाप्त हो
गई और उन दीन भेड़ों ने जो मेरी ओर देख रही थीं,
समझ लिया कि यह सन्देश यहोवा का है।

12तब मैंने कहा, "यदि तुम मुझे भुगतान करना चाहते
हो, तो भुगतान करो, यदि नहीं चाहते तो मत करो!''
अतः उन्होंने चांदी के तीस टुकड़े दिये। 13तब यहोवा ने
मुझसे कहा, "इसका अर्थ है कि वे मेरी कीमत कितनी
आंकते हैं। उन अधिक धन को मंदिर के खज़ाने में
डाल दो।'' इसलिये मैंने चांदी के तीस टुकड़ों को लिया
और उन्हें यहोवा के मंदिर के खजाने में डाल दिया।
14तब मैंने एकता नामक छड़ी को दो टुकड़ों में काट
डाला। यह, मैंने यह बात प्रकट करने के लिये किया
कि इस्राएल और यहूदा के बीच की एकता टूट गई।

15तब यहोवा ने मुझसे कहा, "अब, एक ऐसी छड़ी
की खोज करो, जिसका उपयोग वास्तव में भेड़ों को
हाँकने के लिये न हो सके। 16यह इस बात को प्रकट
करेगा कि मैं इस देश के लिये एक नया गड़ेरिया लाऊँगा।
"किन्तु यह युवक उन भेड़ों की देखभाल करने में
सक्षम नहीं होगा, जो नष्ट की जा चुकी है। वह चोट
खाई भेड़ों को स्वस्थ नहीं कर सकेगा। वह उन्हें खिला
नहीं पाएगा जो अभी जीवित बची हैं। और स्वस्थ भेड़ें
सारी खा ली जाएंगी, केवल उनकी खुरें बची रहेंगी।''

17हे मेरे नालायक गड़ेरिये। तुमने मेरी भेड़ों को
त्याग दिया। उसे दण्ड दो! तलवार से उसकी दायीं
भुजा और दायीं आंख पर प्रहार करो। उनकी दायीं
भुजा व्यर्थ होगी और उसकी दायीं आंख अन्धी होगी।

यहूदा के चारो ओर के राष्ट्रों के बारे में दर्शन

12 इस्राएल के बारे में यहोवा का दुःखद सन्देश।
यहोवा ने पृथ्वी और आकाश को बनाया। उसने
मनुष्य की आत्मा को रचा और यहोवा ने ये बातें कहीं,
2"देखो, मैं यरूशलेम को उसके चारों ओर के राष्ट्रों के
लिये जहर का प्याला जैसा बनाऊँगा। राष्ट्र आएंगे और
उस नगर पर प्रहार करेंगे और सारा यहूदा जाल में जा
फंसेगा। 3किन्तु मैं यरूशलेम को भारी चट्टान बनाऊँगा
और जो कोई इसे उठाने की कोशिश करेगा स्वयं घायल
होगा। वे लोग, सचमुच, कटेंगे और जख्मी हो जाएंगे।
किन्तु पृथ्वी के सारे राष्ट्र एक साथ आएंगे और यरूशलेम
के विरुद्ध लड़ेंगे। 4किन्तु उस समय, मैं घोड़ों को भयभीत
कर दूँगा और घुड़सवार घबरा जाएंगे। मैं शत्रु के सभी
घोड़ों को अन्धा कर दूँगा, किन्तु मेरी आंखे खुली होंगी
और मैं यहूदा के परिवार की रक्षा करता रहूँगा। 5यहूदा
के परिवार प्रमुख लोगों को उत्साहित करेंगे। वे कहेंगे,
'सर्वशक्तिमान यहोवा तुम्हारा परमेश्वर हैं। वह हमें
शक्तिशाली बना रहा है।' 6उस समय, मैं यहूदा परिवार के
प्रमुखों को जंगल में जलती हुई आग जैसा बनाऊँगा। वह
अपने शत्रुओं को तिनके को भस्म करने वाली आग
जैसा भस्म कर देगा। वह अपने चारों ओर के शत्रुओं को
नष्ट कर देगा और यरूशलेम के निवासी फिर बैठने
और आराम करने की स्थिति में होंगे।''

7पहले यहोवा यहूदा के लोगों को बचायेगा, अतः
यरूशलेम के निवासी बहुत अधिक डींग नहीं हांकेंगे।
दाऊद के परिवार और यरूशलेम में रहने वाले अन्य
लोग यह डींग नहीं हांक सकेंगे कि वे यहूदा में रहने
वाले अन्य लोगों से अच्छे हैं। 8किन्तु यहोवा यरूशलेम

के लोगों की रक्षा करेंगे। यहाँ तक कि कमजोर से कमजोर आदमी दाऊद के समान बड़ा योद्धा बनेगा और दाऊद के परिवार के लोग यहोवा के अपने दूतों की तरह मार्गदर्शक होंगे।

9यहोवा कहता है, "उस समय, मैं उन राष्ट्रों को नष्ट करूँगा जो यरूशलेम के विरुद्ध युद्ध करने आएंगे। 10मैं दाऊद के घर और यरूशलेम के निवासियों के हृदय में दया और करुणा की भावना भरूंगा। वे मेरी ओर देखेंगे, जिसे उन्होंने छेद डाला था और वे बहुत दुखी होंगे। वे इतने ही दुखी होंगे, जितना अपने इकलौते पुत्र की मृत्यु पर रोनेवाला व्यक्ति, या अपने पहलौठे पुत्र की मृत्यु पर रोनेवाला व्यक्ति। 11यरूशलेम में एक बड़े शोक और रूदन का समय आएगा। यह उस समय की तरह होगा, जब मगिद्दो घाटी में हदद्रिम्मोन की मृत्यु पर लोग रोए थे। 12हर एक परिवार अकेले रोएंगे। दाऊद के परिवार के लोग अकेले रोएंगे और उनकी पत्नियाँ अकेली रोएंगी। नथन के परिवार के पुरुष अकेले रोएंगे, और उनकी पत्नियाँ अकेली रोएंगी। 13लेवी के परिवार के पुरुष अकेले रोएंगे और उनकी पत्नियाँ अकेली रोएंगी। शिमई के परिवार के पुरुष अकेले रोएंगे और उनकी पत्नियां अकेली रोएंगी। 14और यही बात सभी परिवार समूहों में होगी। पुरुष अकेले रोएंगे और स्त्रियाँ अकेली रोएंगी।"

13 किन्तु उस समय, पानी का एक नया स्रोत दाऊद के परिवार तथा यरूशलेम में रहने वाले लोगों के लिये फूट पड़ेगा। वह सोता उनके पापों को धो देगा और लोगों को शुद्ध कर देगा।

झूठे नबी भविष्य में नहीं

2सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "उस समय, मैं पृथ्वी से सभी मूर्तियों को हटा दूँगा। लोग उनका नाम भी याद नहीं रखेंगे और मैं झूठे नबियों और अशुद्ध आत्माओं को भी पृथ्वी से हटा दूँगा। 3यदि कोई व्यक्ति भविष्यवाणी करता रहता है तो उसे दण्ड मिलेगा। यहाँ तक कि उसके माता–पिता, उसकी अपनी माँ और अपने पिता उससे कहेंगे, 'तुमने यहोवा के नाम पर झूठ बोला है। अत: तुम्हें मर जाना चाहिए!' उसकी अपनी माँ और उसके अपने पिता भविष्यवाणी करने के कारण उसे छुरा घोंप देंगे। 4उस समय, नबी अपनी भविष्यवाणी और अपने दर्शन के लिये लज्जित होंगे। वे उस तरह का मोटा वस्त्र नहीं पहनेंगे, जो यह प्रकट करे कि व्यक्ति नबी है। वे उन वस्त्रों को, भविष्यवाणी कहे जाने वाले झूठ से, लोगों को धोखा देने के लिये नहीं पहनेंगे। 5वे लोग कहेंगे, 'मैं नबी नहीं हूँ मैं एक किसान हूँ। मैंने बचपन से किसान के रूप में काम किया हैं।' 6अन्य लोग कहेंगे, 'किन्तु तुम्हारे हाथों पर ये घाव कैसे हैं?' वह कहेगा, 'यह चोट मुझे अपने मित्र के घर लगी।'"

7सर्वशक्तिमान यहोवा कहता है, "तलवार, गड़ेरिये पर चोट कर! मेरे मित्र को मार! गड़ेरिये पर प्रहार करो और भेड़ें भाग खड़ी होंगी और मैं उन छोटों को दण्ड दूँगा। 8देश के दो तिहाई लोग चोट खाएंगे और मरेंगे। किन्तु एक तिहाई बचे रहेंगे। 9तब मैं उन बचे हुए लोगों की जाँच करूँगा। मैं उन्हें बहुत से कष्ट दूँगा। वे कष्ट उस आग की तरह होंगे, जिसे एक व्यक्ति चाँदी की शुद्धता की परख के लिये उपयोग करता है। मैं उनकी जाँच वैसे ही करूँगा, जैसे व्यक्ति सोने की जांच करता है। तब वे सहायता के लिये मेरी पुकार करेंगे, और मैं उनकी सहायता करूँगा। मैं कहूँगा, 'तुम मेरे लोग हो।' और वे कहेंगे, 'यहोवा मेरा परमेश्वर है।'"

निर्णय का दिन

14 देखो, यहोवा निर्णय का विशेष दिन रखता है और जो धन तुमने लिया है वह तुम्हारे नगर में बँटेगा। 2मैं सभी राष्ट्रों को यरूशलेम के विरुद्ध लड़ने के लिये एक साथ लाऊँगा। वे नगर पर अधिकार करेंगे तथा घरों को नष्ट करेंगे। स्त्रियों के साथ कुकर्म होगा, और लोगों में से आधे बन्दी बनाए जाएंगे। किन्तु बाकी लोग नगर से नहीं ले जाए जाएंगे। 3तब यहोवा उन राष्ट्रों के विरुद्ध युद्ध करेगा। यह एक सच्चा युद्ध होगा। 4उस समय, वह जैतून के पर्वत पर खड़े होगा। वह पहाड़ी जो यरूशलेम के पूर्व है। अंजीर का पर्वत फट पड़ेगा। पर्वत का एक भाग उत्तर को जाएगा और दूसरा भाग दक्षिण को। एक गहरी घाटी पूर्व से पश्चिम तक उभर आएगी। 5जैसे–जैसे वह पर्वतीय घाटी तुम्हारे समीप, और समीप आती जाएगी, तुम भाग जाना चाहोगे। तुम उसी समय की तरह भागोगे, जैसे तुम यहूदा के राजा उज्जियाह के समय में भूकम्प से भागे थे। किन्तु यहोवा, मेरा परमेश्वर आएगा और उनके सभी पवित्र लोग उनके साथ होंगे।

6-7वह एक बहुत अधिक विशेष दिन होगा। उस दिन प्रकाश, शीत और तुषार कुछ नहीं होगा। केवल यहोवा ही जानता हैं कि यह कैसे होगा, किन्तु कोई दिन-रात नहीं होंगे। तब जब सामान्य रूप से अंधेरा आएगा, तो उस समय उजाला भी होगा। 8उस समय, यरूशलेम से लगातार पानी बहेगा। वह धारा बंट जाएंगी और एक भाग पूर्व को बहेगा और एक भाग पश्चिम को भूमध्य सागर तक जाएगा और यह पूरे वर्ष ग्रीष्म और शीत ऋतु दोनों में बहेगा 9और यहोवा उस समय, पूरे संसार के राजा होगा। यहोवा एक है। उसका नाम "एक" है। 10उस समय यरूशलेम के चारों ओर का क्षेत्र अराबा मरुभूमि की तरह सूना हो जाएगा। गेब से लेकर नेगव में रिम्मोन तक देश मरुभूमि सा हो जाएगा। किन्तु यरूशलेम का पूरा नगर फिर से, बिन्यामीन द्वार से प्रथम द्वार (अर्थात् कोने का द्वार) और हननेल की मीनार से राजा के दाखमधु निष्कासक तक बनेगा। 11प्रतिबन्ध उठ जायेगा और लोग वहाँ अपने घर बनायेंगे। यरूशलेम सुरक्षित होगा।

12किन्तु यहोवा उन राष्ट्रों को दण्ड देगा जो यरूशलेम के विरुद्ध लड़े। वह उन्हें भयंकर बीमारी लगा देगा। खड़े खड़े उनका शरीर गल जायेगा। उनकी आँखें उनके कोटर में गलेंगी तथा उनकी जीभ उनके मुखों में गलेगी। 13-15वह भंयकर बीमारी शत्रुओं के डेरे में होगी और उनके घोड़ों, खच्चरों, ऊँटों और गधों को वह भंयकर बीमारी लग जाएगी।

उस समय, वे लोग, सचमुच, यहोवा से डरेंगे। वे एक दूसरे का गला दबायेंगे। वे एक दूसरे पर प्रहार करने के लिये हाथ उठाएंगे। यहूदा के लोग यरूशलेम में युद्ध करेंगे, किन्तु वे नगर के चारों ओर के राष्ट्रों से धन प्राप्त करेंगे। वे बहुत अधिक सोना, चाँदी, और वस्त्र प्राप्त करेंगे। 16कुछ लोग जो यरूशलेम में युद्ध करने आएंगे। वे बच जाएंगे और हर वर्ष वे राजा, सर्वशक्तिमान यहोवा की उपासना को आएंगे। वे झोपड़ियों का पर्व मनाने आएंगे 17और यदि पृथ्वी के किसी परिवार के लोग राजा, सर्वशक्तिमान यहोवा की उपासना करने यरूशलेम नहीं जाएंगे तो यहोवा उन्हें वर्षा से वंचित कर देगा। 18यदि मिस्र का कोई परिवार बटोरने का पर्व मनाने नहीं आएगा, तो उसे वही भंयकर बीमारी होगी, जो यहोवा ने अन्य शत्रु राष्ट्रों को लगा दी थी। 19वह मिस्र के लिये तथा किसी भी राष्ट्र के लिये दण्ड होगा, जो बटोरने का पर्व मनाने नहीं आएगा।

20उस समय, हर एक चीज परमेश्वर का होगा। यहाँ तक कि घोड़े के कक्षबन्ध पर भी "यहोवा का पवित्र'नामक सूचक होगा और यहोवा के मंदिर में उपयोग में आने वाले सभी बर्तन वैसे ही महत्वपूर्ण होंगे, जैसे वेदी पर उपयोग में आने वाला प्याला। 21वस्तुतः, यहूदा और यरूशलेम की हर एक तश्तरी पर "सर्वशक्तिमान यहोवा को पवित्र" नामक सूचक होगा। और हर एक व्यक्ति जो यहोवा की उपासना करेगा, उन तश्तरियों में भोजन पकाने और भोजन करने का अधिकारी होगा और उस समय, सर्वशक्तिमान यहोवा के मंदिर में वस्तुएं क्रय-विक्रय करने वाला कोई व्यापारी नहीं होगा।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html